

प्रेषक,

डायरिक्टर, दिल्ली,
 अपर सचिव,
 उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

अपर परिवहन आयुक्त,
 उत्तरांचल ।

परिवहन अनुभाग

देहरादून

दिनांक 01 अक्टूबर, 2003

विषय: - मुद्रक दुर्घटनाओं के संबंध में परिवहन विभाग द्वारा मुद्रक आश्रितों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि के संबंध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र दिनांक 13-2-2003 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें । जिसके द्वारा यह जिज्ञासा व्यक्त की गई थी कि दुर्घटना में राहत राशि दिये जाने के संबंध में "अन्य" व्यक्ति की श्रेणी में किस-किस को सम्मिलित किया जायेगा ।

उक्त पत्र में की गई जिज्ञासाओं पर न्याय विभाग का अभिमत प्राप्त किया गया । तदनुसार निम्नवत् बिन्दुवार स्थिति स्पष्ट किये जाने का मुझे निदेश हुआ है:-

§ 1§ सार्वजनिक सेवायान में निःशुल्क यात्रा कर रहे पास धारक, पत्रकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जो नियमान्तर्गत ही निःशुल्क यात्रा सुविधा के पात्र होते हैं, "यात्री" की श्रेणी में आयेगे ।

§ 2§ सार्वजनिक सेवायान व अन्य वाहन जैसे ट्रक आदि में टक्कर हो जाने पर अन्य वाहन के हताहत व्यक्ति "अन्य" की श्रेणी में आयेगे ।

§ 3§ सार्वजनिक सेवायान से टकराने वाले वाहनों के चालक, परिचालक आदि व पैदल व्यक्ति "अन्य" की श्रेणी में आयेगे ।

उक्त के अतिरिक्त निम्न बिन्दुओं पर भी स्थिति स्पष्ट की जाती है :-

§ 1§ वर्ष 1989 के शासनादेश के अनुसार मृतक चाहे 12 वर्ष से कम उम्र का हो या बड़ी उम्र का हो मृतक की श्रेणी में माना गया है तथा अधिनियम 1989 के

के संबंध में राहत पाने का अधिकारी उनके माता-पिता, परिजनों को किया गया और यह राशि वयस्क व्यक्ति द्वारा प्राप्त किये जाने वाली राशि के समान कर दी गई है।

§ 2§ वाहन के अधिग्रहण की अवधि में सवारी करने वाले राजकीय कर्मियों के संबंध में दुर्घटना होने की दशा में कराधान अधिनियम अथवा नियमावली के अन्तर्गत प्राविधानित सहायता राशि अनुमन्य नहीं होगी, बल्कि राजकीय लाभ अनुमन्य होगे।

कृपया भविष्य में उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,


§ डी० दिलबाग सिंह §
अपर सचिव